बृहस्पतिवार 33 साल से देहरादून का विश्वास

17 अप्रैल 2025

- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 77
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

सरकारी जमीन पर कब्जा?

शिकायत करने पर दरोगा ने सीनियर अधिकारी से की अभद्रता, वीडियो वायरल

संवाददाता

देहरादून। तार-बाढ़ तोड़ने का विरोध करने पर मौके पर मौजूद दरोगा ने शासन के अपर सचिव के साथ अभद्रता की। जिसका वीडियों भी सोशल मीडिया में वायरल हो गया। जिसके बाद देर सांय मुकदमा दर्ज कर लिया गया।

जहां सरकार मदरसो व मजारो को तोड़कर सरकारी जमीनों को खाली करा रही है। वहीं दूसरी ओर सरकारी जमीनों पर कब्जे हो रहे है और पुलिस भी उनकी मदद कर रही है। ऐसा ही एक मामला पंडिण्त दीनदयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ट्रेनिंग एण्ड रिसर्च इन फाईनेंशियल एडमिनिस्ट्रेशन, के गार्ड रायदास वर्मा ने प्रेमनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि पं. दीनदयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ट्रेनिंग एण्ड रिसर्च इन फाईनेंशियल एडमिनिस्ट्रेशन, में सोमवार को दो गाड़ियों में भरकर अज्ञात लोग संस्थान में आये, उक्त अज्ञात व्यक्तियों ने पंण्डित दीनदयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ट्रेनिंग एण्ड रिसर्च इन फाईनेंशियल एडमिनिस्ट्रेशन, संस्थान के मेन गेट के बाहर पार्किंग की तार-बाड़ द्वारा बनायी गयी हदबंदी को जबरन काट डाला, उस समय मैन गेट सिक्योरिटी गार्ड ड्यूटी पर यशपाल सिंह और संजीव बंसल तैनात थे। इसके बाद 24 मार्च, 2025 को इस तारबाड़ हदबंदी को दोबारा से विभाग द्वारा मरम्मत करवा दिया गया था। 13 अप्रैल, 2025 रविवार को लगभग प्रातः यही अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा तारबाड़ हदबंदी को पंण्डित दीनदयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ट्रेनिंग एण्ड रिसर्च इन फाईनेंशियल एडमिनिस्ट्रेशन, सिक्योरिटी गार्ड, संस्थान वार्डन और एडमिनिस्ट्रेशन स्टाफ के सामने फिर से काट दिया गया। साथ ही ड्यूटी पर तैनात सिक्योरिटी गार्ड सुमित कुमार, मोहन प्रसाद और हेड़ गार्ड रायदास वर्मा को विडियो बनाने पर प्रवीण भारद्वाज और एक अन्य व्यक्ति के द्वारा जान से मारने की धमकी दी गयी और अभद्र शब्दों का प्रयोग किया गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

इससे पूर्व मौके पर पहुंचे शासन के एक अपर सचिव(जोकि पूर्व सीएम के ओएसडी भी रहे हैं) से वहां मौजूद दरोगा के द्वारा अभद्र व्यवहार किया गया जिसका वीडियों भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया तथा जब उसको दीवार तोडने वालों के खिलाफ कार्यवाही के लिए कहा गया तो उल्टे वह अपर सचिव से उलझ गया। यही नहीं जब एक व्यक्ति थाने गया तो वहां पर मौजूद मुंशी ने भी यह कहकर उसको चलता किया कि वह दीवार तोडने का मुकदमा दर्ज नहीं करते और दीवार तोडना कोई अपराध नहीं होता है इसलिए मुकदमा दर्ज नहीं होगा। लेकिन उसके बाद देर सांय मुकदमा दर्ज कर लिया गया।

दून वैली मेल

संपादकीय

बड़े बदलाव के संकेत

आखिर इस देश की राजनीति किस दिशा में जा रही है? यह सवाल देश के राजनीतिक पंडितो ही नहीं अपितु देश के आम आदमी के मन को भी मथ रहा है। आमतौर पर इस कालखंड की कुछ अहम खबरों पर नजर डालें और उनके नितार्थ को समझने की कोशिश करें तो ऐसा लगता है कि देश के राजनीतिक फलक पर कुछ बड़ा घटित होने वाला है। अभी हाल ही में सरकार द्वारा लाये गए वक्फ बिल को लेकर देश भर में बवाल मचा हुआ है। तथा पश्चिम बंगाल हिंसा की आग में जल रहा है वहीं दूसरी ओर इस बिल को सुप्रीम कोर्ट में दी गई तमाम चुनौतियों और याचिकाओं पर सुनवाई चल रही है। जिसे लेकर केंद्रीय कानून मंत्री सुप्रीम कोर्ट या न्यायपालिका को यह हिदायत दे चुके हैं कि उसे कार्यपालिका के अधिकारों में दखल नहीं देना चाहिए। न्यायपालिका जिसे किसी भी सरकार के संवैधानिक फैसलों की समीक्षा का अधिकार है ऐसी स्थिति ठीक नहीं है। उधर बिहार चुनाव से पूर्व एक बार फिर नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी द्वारा सोनिया और राहुल गांधी के खिलाफ की जाने वाली कार्रवाई को लेकर भी यह चर्चाए आम है कि उनकी इस मामले में गिरफ्तारी कभी भी की जा सकती है। इस मुद्दे को लेकर कांग्रेसी भी इन दिनों सड़कों पर उतरे हुए हैं। राहुल गांधी का कहना है कि उन्हें जेल जाने का कोई डर नहीं लेकिन कभी जब उनका वक्त आएगा तो वह भी किसी को बख्शने वाले नहीं है। इन तमाम घटनाओं के बीच वक्फ बिल को लेकर सरकार के सहयोगी दलों में बेचैनी भी सरकार के लिए मुसीबत का सबब बनी हुई है। इस बीच बीते कल बुधवार को कैबिनेट मंत्रियों के साथ होने वाली बैठक का टाला जाना तथा शनिवार को पीएम की प्रस्तावित जम्मू कश्मीर दौरे को स्थगित किया जाना और प्रधानमंत्री मोदी का राष्ट्रपति से मिलना आदि कुछ ऐसी घटनाएं हैं जो इस बात का संकेत देती है कि सरकार और राष्ट्रीय राजनीति के स्तर पर कुछ बड़ा होने वाला है। इन दिनों राजनीति में डराने धमकाने की जो राजनीति हो रही है उसके पीछे कुछ तो कारण है पक्ष विपक्ष के नेताओं द्वारा ही यह काम नहीं किया जा रहा है कार्यपालिका और न्यायपालिका तक कुछ ऐसा ही हो रहा है। विपक्ष के नेताओं का कहना है कि सरकार को अब अपनी सत्ता खिसकती दिख रही है इसे लेकर वह कोई ऐसा फैसला भी कर सकती है जिसकी किसी को भी उम्मीद न हो। एक और खबर इस बीच आ रही है कि गृह मंत्रालय के सारे कार्यक्रम एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दिए गए हैं। केंद्र सरकार के किसी भी फैसले की कोई अधिकृत जानकारी तो दी नहीं जाती है न उसके पीछे के कारणों के बारे में कोई सवाल किया जा सकता है। उधर अखिलेश यादव को भी जान से मारने की धमकी मिल रही है जिसके लिए उन्होंने गृह मंत्रालय से सुरक्षा की मांग की है। कुल मिलाकर स्थिति गंभीर है लेकिन क्या होने वाला है इसकी किसी को कोई जानकारी नहीं है। लेकिन यह सब बेवजह भी नहीं है।

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट से कहा , 'पंजीकृत या अधिसूचित वक्फ में नहीं होगा कोई बदलाव'

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में दूसरे दिन वक्फ संशोधन कानून पर चली सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता तुषार मेहता ने कोर्ट को भरोसा देते हुए कहा कि वक्फ या वक्फ बाय यूजर की जो संपत्तियां पहले से रजिस्टर्ड हैं, सरकार उन्हें गैर-अधिसूचित (डि-नोटिफाई) नहीं करेगी। साथ ही इस मामले में जवाब देने के लिए महाधिवक्ता ने सात दिनों का वक्त मांगा जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया। वक्फ संशोधन कानून पर अब अगली सुनवाई 5 मई को होगी। सुप्रीम कोर्ट ने इस कानून पर फिलहाल रोक नहीं लगाया है।

सुनवाई के दौरान संशोधित प्रावधानों के अनुसार गैर-मुस्लिमों को केंद्रीय वक्फ परिषदों और राज्य वक्फ बोर्डों में नियुक्त नहीं किया जाएगा। वक्फ-दर-उपयोगकर्ता सहित वक्फ, चाहे अधिसूचना या पंजीकरण के माध्यम से घोषित किया गया हो, सुनवाई की अगली तारीख तक डी-नोटिफाई नहीं किया जाएगा। उच्चतम न्यायालय ने सुनवाई के दौरान अधिनियम के कुछ प्रमुख प्रावधानों पर रोक लगाने का प्रस्ताव रखा, जिनमें अदालतों द्वारा वक्फ घोषित संपत्तियों को गैर-अधिसूचित करने की शक्ति और केंद्रीय वक्फ परिषदों और बोर्ड में गैर-मुस्लिमों को शामिल करना शामिल है।

उत्तराखण्ड को पॉवर सरप्लस राज्य बनाने के लिए सबको समन्वय के साथ आगे बढ़ना होगाः धामी

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन, देहरादून में ऊर्जा निगमों के कार्मिकों द्वारा आयोजित 'स्वागत एवं अभिनन्दन' कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। उत्तराखण्ड विद्युत अधिकारी कर्मचारी संयुक्त संघर्ष मोर्चा द्वारा ऊर्जा निगमों के कार्मिकों की विभिन्न समस्याओं के समाधान करने पर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया गया।

मुख्यमंत्री ने सभी कर्मचारियों और अधिकारियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस अभिनंदन की असली हकदार उत्तराखंड प्रदेश की जनता है, जिन्होंने प्रदेश की सेवा करने का अवसर दिया। उन्होंने कहा कि ऊर्जा प्रदेश उत्तराखंड की मूल अवधारणा में था। उत्तराखण्ड को पॉवर सरप्लस राज्य बनाने के लिए सबको समन्वय के साथ आगे बढ़ना होगा।। मुख्यमंत्री ने कहा भारत सरकार का राज्य सरकार को हर योजना पर

सहयोग मिल रहा है। विद्युत मंत्रालय द्वारा जारी डिस्ट्रीब्यूशन यूटिलिटी रैंकिंग में यूपीसीएल ने विशेष श्रेणी डिस्कॉम में

❑उत्तराखण्ड विद्युत अधिकारी कर्मचारी संयुक्त संघर्ष मोर्चा ने मुख्यमंत्री का किया आभार व्यक्त

देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार, उत्तराखण्ड को ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित करने के लिए संकल्पित है। बिजली उत्पादन के लिए लखवाड़ बांध परियोजना, जमरानी बांध बहुउद्देश्यीय परियोजना और देहरादून में आने वाले 50 सालों में पेयजल की समस्याओं को दूर करने के लिए सौंग बांध परियोजना पर कार्य गतिमान है। राज्य में अत्याधुनिक जीआईएस (गैस इंसुलेटेड सबस्टेशन) उपकेंद्रों की स्थापना भी जारी है। उन्होंने कहा राज्य में 16 लाख स्मार्ट मीटर लगाकर टेक्नॉलजी के माध्यम से पारदर्शिता लाने का कार्य किया गया है।

शराब के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार नेहरू कालोनी थाना पुलिस ने मोथरोवाला रोड पर एक स्कूटी सवार को रूकने का इशारा किया तो वह पुलिस को देख भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने स्कूटी से 56 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में वाहन चालक ने अपना नाम अमन पुत्र विजय प्रसाद निवासी निम्मी रोड डालनवाला बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया।

तमंचे सहित एक दबोचा

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। वारदात की फिराक में घूम रहे एक बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से एक तमंचा बरामद किया गया है। जानकारी के अनुसार बीती रात थाना पथरी पुलिस गश्त पर थी। इस दौरान पुलिस को एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक तमंचा बरामद हुआ। पूछताछ में उसने अपना नाम शाकिर पुत्र गालिब निवासी ग्राम कासमपुर थाना पथरी जनपद हरिद्वार बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

अतिक्रमण के नाम पर उत्पीड़न के विरोध में लघु व्यापारियों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता

हरिद्वार। अतिक्रमण के नाम पर शोषण व उत्पीडन के विरोध में लघु व्यापारियों ने प्रदर्शन किया।

आज यहां फुटपाथ के कारोबारी रेड़ी पटरी के लघु व्यापारियों ने नगर निगम प्रशासन द्वारा अतिक्रमण के नाम पर उनके कारोबारी स्थान से हटाए जाने के विरोध में लघु व्यापार एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा के नेतृत्व में कुंभ मेला शताब्दी द्वार पर नगर निगम प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी लघु व्यापारियों ने नगर निगम प्रशासन पर आरोप लगाया कि उत्तराखंड नगरी फेरी नीति नियमावली का उल्लंघन कर रेड़ी पटरी के लघु व्यापारियों का शोषण व उत्पीड़न किया जा रहा है जबकि फेरी नीति नियमावली के नियम अनुसार रेलवे स्टेशन, बस अड्डा सभी सार्वजनिक स्थलों के नजदीक रेड़ी पटरी के लघु व्यापारियों को अलग से वेंडिंग जोन के रूप में व्यवस्थित व स्थापित किया जाना

प्रस्तावित है।

इस अवसर पर लघु व्यापार एसो. के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर योजना उत्तराखंड नगरी फेरी नीति नियमावली राष्ट्रीय आजीविका मिशन योजना के तहत फुटपाथ के कारोबारी रेड़ी पटरी के लघु व्यापारियों को नगर निगम प्रशासन द्वारा लाइसेंस व परिचय पत्र दिए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि अलग से सभी सार्वजनिक स्थलों पर वेंडिंग जोन की व्यवस्था किया जाना न्याय संगत होगा। उन्होंने कहा यदि अतिक्रमण नाम पर रेड़ी पटरी के लघु व्यापारियों का शोषण व उत्पीड़न की कार्रवाई बंद नहीं की गई तो नगर आयुक्त का घेराव कर रेड़ी पटरी के लघु व्यापारियों की न्याय संगत मांगों को दोहराया जाएगा।

लघु व्यापारियों में कमल सिंह, सुनील कुकरेती, मोहनलाल, बलराम, धर्मपाल, प्रद्युम्न सिंह, विजय कुमार, श्याम कुमार, चंदन रावत ,जय सिंह बिष्ट ,कपिल, तस्लीम, आजम अंसारी, नईम सलमानी, खुदा कश्यप ,राजू जैन,कामिनी मिश्रा ,मंजू पाल ,सुनीता चौहान, श्रीमती सुमन गुप्ता, आशा देवी, पुष्पा दास ,इंदिरा देवी, सीमा देवी, रजनी, पूनम आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

हेयर रिमूव करने के लिए यूज करें ये 5 तरह के रेजर!

शेविंग या रेजर का नाम सुनते ही दिमाग में पुरुषों का ख्याल आ जाता है, लेकिन बदलते दौर में चीजें और उनके इस्तेमाल करने का तरीका भी बदल रहा है। आजकल लड़कियां और महिलाएं भी हेयर रिमूव करने के लिए इस्तेमाल करती हैं। लेकिन महिलाओं के रेजर पुरुषों से बिल्कुल अलग होते हैं। क्योंकि महिलाओं की स्किन और जरूरतें भी पुरुषों से बिल्कुल अलग होती हैं। ऐसे में आपको रेजर खरीदते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। ऐसा करने से न केवल आप अपनी जरूरत के हिसाब से इसे खरीद पाएंगी, बल्कि इसे अच्छे से इस्तेमाल भी कर पाएंगी। जानते हैं ऐसे 5 रेजर के बारे में जो महिलाओं के बहुत काम आ सकते हैं।

ट्रिमर

हेयर रिमूव करने के लिए महिलाएं सबसे ज्यादा ट्रिमर का इस्तेमाल करती हैं। क्योंकि महिलाओं के हेयर बहुत ज्यादा रफ नहीं होते हैं, इसलिए ट्रिमर बहुत अच्छी तरह से रेजर की तरह ही काम करता है। इससे स्किन में इरिटेशन भी नहीं होती है।

इलेक्ट्रिक रेजर

अमूमन इसका इस्तेमाल पुरुष करते हैं। लेकिन कई लड़कियां हेयर रिमूव करने के लिए इसका भी यूज करती हैं। इलेक्ट्रिक रेजर के साथ दिक्कत ये है कि अगर आप इसे ठीक से नहीं करेंगे तो हो सकता है कि हेयर सही से रिमूव न हो पाएं।

स्ट्रेट रेजर

चेहरे से अनचाहे बाल हटाने के लिए स्ट्रेट रेजर्स का इस्तेमाल किया जाता है। ये रेजर्स बहुत ही शार्प होते हैं। ये बहुत पतले भी होते हैं। इसकी ग्रिप अच्छी होती है। ये हल्के रोएंदार बालों के लिए ही होते हैं। इसे ज्यादा हेवी हेयर ग्रोथ जैसे पैरों पर इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

एपिलेटर्स

हेयर रिमूव करने के लिए एपिलेटर्स का इस्तेमाल वैक्सिंग की तरह किया जाता है। ये बालों को जड़ों से ही निकालते हैं। आप जैसे-जैसे अपने एपिलेटर्स को बॉडी के अलग-अलग हिस्सों में घुमाएंगी वैसे ही इसका असर होगा।

डिस्पोजेबल रेजर्स

महिलाओं के लिए सबसे बेस्ट हैं। ये रेजर्स बहुत से शेप और साइज में आते हैं। इन्हें आप अपनी पसंद के अनुसार चुन सकते हैं। इसकी ग्रिप अच्छी होती है तो कट लगने का डर नहीं होता है।

महिलाएं हेयर रिमूव करते समय इन बातों का रखें ध्यान

* महिलाओं को हेयर रिमूव करते समय धारदार ब्लेड का इस्तेमाल करते समय बहुत सावधानी बरती चाहिए।

* कभी भी रफ स्किन पर शेव न करें। उसकी जगह आप स्किन में थोड़ा साबुन लगाकर भी शेविंग कर सकती हैं।

* हेयर रिमूव करने के बाद स्किन को मॉइश्चराइज करने के बारे में जरूर ध्यान रखें।

* जल्दी-जल्दी हेयर रिमूव नहीं करना चाहिए। पहले हेयर ग्रोथ पूरी तरह से हो जाने दें। (आरएनएस)

क्या आप भी रोज नहाते हैं? ऐसे बिगड़ सकता है स्किन का नेचुरल बैलेंस

हमारे देश में रोज नहाना लोगों की आदत में शामिल हो चुका है। लभारत में अधिकांश लोगों का मानना है कि रोज नहाने से हम साफ-सुथरा रहते हैं और इससे हमारे शरीर की गंदगी निकल जाती है। सुबह नहाकर लोग फ्रेश फील करते हैं, तो कुछ लोग रात को नहाकर सोते हैं, लेकिन अगर आपको कोई कहें कि रोज मत नहाया करों। इससे आपको नुकसान पहुंच सकता हैं, तो आप उसका मजाक उड़ाएंगे।

एक्सपर्ट के मुताबिक

एक्सपर्ट के मुताबिक पहले रोज-रोज नहाना एक समस्या माना जाता था। कहा जाता था कि बार-बार नहाने से स्किन का नेचुरल बैलेंस बिगड़ सकता है, जिससे उसकी सेफ्टी करने वाले जरूरी ऑयल और लाभकारी बैक्टीरिया खत्म हो सकते हैं।

त्वचा रूखी

माना जाता था कि लगातार नहाने से त्वचा रूखी हो सकती है, जिससे दरारें पड़ सकती हैं। इसकी वजह से हानिकारक बैक्टीरिया और एलर्जी अंदर जा सकती हैं और इंफेक्शन, एक्जिमा और सोरायसिस का कारण बन सकती हैं।आप जितनी देर पानी में रहेंगे, आपकी स्किन उतनी ही ड्राई हो सकती है, चाहे कितनी भी बार नहाएं।

लोगों में जलन

कम समय के लिए और ठंडे पानी में नहाना बेहतर होता है। इसके अलावा, मिथाइलिसोथियाज़ोलिनोन, मिथाइलक्लोरोइसोथियाज़ोलिनोन, सल्फेट्स और पैराबेंस जैसे तत्वों की लिस्टिंग की, जो जहरीले होते हैं और लोगों में जलन पैदा कर सकते हैं।

एक्जिमा वाले लोगों के लिए ठीक नहीं

इससे बचने के लिए आप साबुन की जगह एमोलिएंट क्रीम का इस्तेमाल कर सकते हैं। वहीं डेली नहाना स्किन ड्राइनेस से जुड़ा नहीं है यह सिर्फ एक्जिमा वाले लोगों के लिए ठीक नहीं है।(आरएनएस)

स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है काढ़ा

काढ़ा एक पारंपरिक आयुर्वेदिक पेय है, जिसे कई ऐसी औषधीय सामग्रियों का इस्तेमाल करके बनाया जाता है, जो विभिन्न स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने में सक्षम हैं। यह पेय रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने समते त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद कर सकता है। आइए आज रोजाना काढ़ा पीने के फायदे जानते हैं।

घर पर काढ़ा कैसे बनाते हैं?

सबसे पहले एक पैन में दो कप पानी गर्म करें, फिर उसमें अदरक, दालचीनी, लौंग, इलायची, गुड़, तुलसी के पत्ते और काली मिर्च की थोड़ी-थोड़ी मात्रा डालें, फिर 20 मिनट तक पानी को मध्यम आंच पर रखने के बाद मिश्रण को कप में डालकर पिएं।

अगर आप रोजाना सिर्फ एक कप काढ़ा पीते हैं तो इससे आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूती मिल सकती है क्योंकि यह पेय कई तरह के एंटी-ऑक्सिडेंट और विटामिन्स से भरपूर होता है। इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सिडेंट हानिकारक बैक्टीरिया और मुक्त कणों से शरीर को बचाने में मददगार हैं और आंतरिक संक्रमण और बीमारियों के विकास के जोखिम को कम कर सकते हैं।

अगर आप अकसर गैस, कब्ज और अपच जैसी पेट से जुड़ी बीमारियों से परेशान रहते हैं तो अपनी डाइट में काढ़े को जरूर शामिल करें। यह पेट की खराबी को शांत करने और पाचन को स्वस्थ रखने में काफी मदद कर सकता है। यह गर्म पेय पाचन

क्रिया के ब्लड सर्कुलेशन को सुधारने और मुक्त कणों से लड़ता है, जो अपच की समस्या पैदा कर सकते हैं। वहीं, इसमें मौजूद फिनोल पेट और आंतों की मांसपेशियों को मजबूत करता है।

विभिन्न आवश्यक जड़ी-बूटियों से बनाया जाने वाला काढ़ा आपके पेट को लंबे समय तक भरा हुआ रखता है, जिससे आप अतिरिक्त कैलोरी का सेवन करने से बच जाते हैं और अपने बढ़ते वजन पर काबू पा सकते हैं। इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सिडेंट शरीर की अतिरिक्त कैलोरी को बर्न करने में मदद करते हैं अगर आप किसी वजन घटाने वाली डाइट पर हैं तो अपनी डाइटीशियन की सलाह लेकर रोजाना दिन में दो बार काढ़े का सेवन करें।

हर किसी को किसी न किसी कारण तनाव होता है जिसके चलते व्यक्ति को समझ नहीं आता कि उसे क्या करना चाहिए। हालांकि, अगर आप चाहें तो रोजाना एक कप काढ़े का सेवन करके तनाव से राहत पा सकते हैं। दरअसल, काढ़े में एडाप्टोजेनिक गुण होता है, जो एक स्ट्रेस बस्टर के रूप में काम करता है और तनाव और चिंता के लक्षणों को दूर करने में मदद करता है। हर रोज एक कप काढ़े का सेवन करने से बालों और त्वचा से जुड़ी समस्याओं को कम करने में भी मदद मिल सकती है। इस पेय में मौजूद प्राकृतिक तत्व हानिकारक विषाक्त पदार्थों को खत्म करने में मदद करते हैं और आपकी त्वचा को साफ और चमकदार बनाते हैं। इसके अतिरिक्त, यह समय से पहले उभरते बढ़ती उम्र के प्रभाव को भी दूर कर सकता है। यह स्वास्थ्यवर्धक पेय बालों को भी मजबूत करने में मददगार है।

त्वचा पर इन 5 तरीकों से इस्तेमाल करें फिटकरी, चुटकियों में दूर होंगे दाग-धब्बे

मुंहासों की समस्या से हर कोई परेशान रहता है। ये कुछ दिनों में ठीक तो हो जाते हैं, लेकिन अपने जिद्दी दाग पीछे छोड़ जाते हैं।

इन दाग-धब्बों को मिटाने के लिए रासायनिक उपचार उपलब्ध हैं, लेकिन उनके नकारात्मक प्रभाव हो सकते हैं। आप इनके बजाय त्वचा की देखभाल करने के लिए फिटकरी का इस्तेमाल कर सकते हैं।

यह सामग्री त्वचा को गहराई से साफ करेगी और निखार बढ़ाएगी। आप फिटकरी को इन 5 तरीकों से इस्तेमाल कर सकते हैं।

फिटकरी और ग्लिसरीन का टोनर

सामग्री- आधा कप पानी, आधा चम्मच फिटकरी पाउडर, तुलसी के पत्ते और ग्लिसरीन की 4-5 बूंदें।

विधि- टोनर बनाने के लिए सबसे पहले एक बर्तन में पानी उबालें। इसमें फिटकरी का पाउडर और तुलसी डालकर उबलने दें।

जब पाउडर घुल जाए तब इस मिश्रण को स्प्रे बोतल में भरें और ग्लिसरीन डालकर अच्छी तरह हिला लें।

फायदे- रोजाना इस टोनर का इस्तेमाल करने से त्वचा कसेगी और उसपर मौजूद अतिरिक्त तेल साफ हो जाएगा, जिससे मुंहासे नहीं होंगे।

फिटकरी और मुल्तानी मिट्टी का फेस पैक

सामग्री-एक चम्मच फिटकरी पाउडर, 2 चम्मच मुल्तानी मिट्टी और एक चम्मच दूध।

विधि- इस पैक को तैयार करने के लिए एक कटोरी में मुल्तानी मिट्टी और फिटकरी पाउडर को मिला लें। अब धीरे-धीरे इसमें दूध डालते जाएं और लगातार मिलाते हुए गाढ़ा पैक बना लें।

इसे कुछ देर के लिए अपने चेहरे पर लगाकर सूख जाने दें, फिर पानी से धो लें।

फायदे- मुल्तानी मिट्टी और फिटकरी का अनोखा मिश्रण दाग-धब्बों को हल्का करके त्वचा को साफ-सुथरा बना देगा।

फिटकरी का स्क्रब

सामग्री-एक चम्मच फिटकरी पाउडर और चीनी।

विधि- फिटकरी का कारगर स्क्रब बनाने के लिए एक कटोरी में चीनी और फिटकरी पाउडर को मिला लें। इसे चेहरे पर लगाकर हल्के हाथों से कुछ देर के लिए रगड़ें।

ऐसा करने से आपकी त्वचा एक्सफोलिएट हो जाएगी और गंदगी, तेल, ब्लैकहेड्स और मृत त्वचा साफ हो जाएगी।

फायदे- यह स्क्रब आपकी त्वचा के रोम छिद्रों को गहराई से साफ करेगा और उसे मुलायम बना देगा। साथ ही, इससे मुंहासे भी नहीं होंगे।

फिटकरी और गुलाब जल का फेस पैक

सामग्री-2 चम्मच गुलाब जल और 2 चम्मच फिटकरी पाउडर।

विधि-इस फेस पैक को बनाने के लिए फिटकरी पाउडर और गुलाब जल को मिलाएं। इसे तब तक मिलाते रहें, जब तक कि पतला पेस्ट न तैयार हो जाए।

इस पैक को अपने चेहरे पर लगाकर 15 मिनट के लिए छोड़ दें और सूखने के बाद पानी से धो लें।

फायदे-यह पैक मुंहासे के दाग-धब्बों को मिटाएगा, त्वचा की रंगत को निखारेगा और आखों की सूजन कम करेगा।

फिटकरी, दही और शहद का फेस पैक

सामग्री-2 चम्मच दही, एक चम्मच फिटकरी पाउडर और एक चम्मच शहद।

विधि- इस पैक को तैयार करने के लिए सबसे पहले दही में फिटकरी पाउडर शामिल करें। इसे अच्छी तरह मिलाने के बाद इसमें शहद डाल दें।

इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाएं और करीब 20 मिनट तक सूखने दें। इसके बाद गर्म पानी से चेहरा धो लें।

फायदे- यह फेस पैक आपकी त्वचा को मुलायम बना देगा और एक प्राकृतिक चमक भी प्रदान करेगा।

बेहतर स्वास्थ्य ही मनुष्य की सर्वाधिक मूल्यवान संपदा

आनन्द चौबे

बेहतर स्वास्थ्य को मानव जीवन के विकास की कुंजी माना जाता है। भारतीय मान्यताओं में मनुष्य के 'पहले सुख' के रूप में 'निरोगी काया' को ही निरूपित किया गया है। कहावत प्रचलित है, 'स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है'। ऐसे में हम कह सकते हैं कि स्वास्थ्य ही मनुष्य की सर्वाधिक मूल्यवान संपदा है।

स्वास्थ्य के अनेक संकेतक बताते हैं कि विकसित और विकासशील राष्ट्र सभी अपने-अपने तरह की स्वास्थ्य चिंताओं से घिरे हैं, और इनसे निकलने के लिए प्रयासरत हैं। अनेक कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के बावजूद संचारी और गैर-संचारी बीमारियों का दायरा अभी भी बहुत व्यापक है। मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में भले ही कमी आई हो परंतु आज भी बड़ी संख्या में माताओं और बच्चों की प्रसव संबंधी कारणों से मृत्यु हो रही है। इन चिंताओं के प्रति सजगता पैदा करने के उद्देश्य से डब्ल्यूएचओ की पहल पर प्रत्येक वर्ष 7 अप्रैल को 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

वर्ष 2025 के लिये डब्ल्यूएचओ ने मातृ और शिशु स्वास्थ्य को गंभीर मुद्दा मानते हुए 'स्वस्थ शुरुआत, आशापूर्ण भविष्य' जैसी संवेदनशील विषय पर थीम रखी है। इस वर्ष की थीम सुनिश्चित करने का प्रयास है कि माताओं और नवजात शिशुओं को जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं मिलें ताकि भविष्य में आने वाली पीढ़ी स्वस्थ और सशक्त हो। भारत के दृष्टिकोण से स्वास्थ्य सेवाओं को देखने से एक लंबा एवं प्रभावकारी बदलाव दिखाई देता है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के विभिन्न कार्यक्रमों ने मनुष्य के स्वास्थ्य को बेहतर बनाया है। लेकिन इसके बाद भी प्रत्येक वर्ष भारत में गर्भावस्था-प्रसव से जुड़े कारणों से लगभग बीस हजार महिलाओं की मृत्यु हो जाती है।

आश्चर्यजनक बात यह है कि इन मौतों में से अधिकांश ऐसे कारणों से हो रही हैं, जिन्हें सजगता, सावधानी और ससमय उपाय करके रोका जा सकता है। कवि सोहन लाल द्विवेदी ने कहा है, 'असफलता एक चुनौती है, इसे स्वीकार करो, क्या कमी रह गई, देखो और सुधार करो।' इससे प्रेरणा लेकर स्वास्थ्य सेवा तंत्र, संगठन और हर जिम्मेदार नागरिक को अपने दायित्वों के प्रति विचार करना चाहिए और आवश्यक पहल कर सुधार प्रक्रिया का सारथी बनना चाहिए।

अधिकांश लोग इस बात से अनभिज्ञ हैं कि एक महिला गर्भकाल में किन-किन स्वास्थ्य चुनौतियों जैसे मैटरनल एनिमिया, प्रग्नेंसी के कारण हाइपरटेंशन, डायबिटीज और अन्य संक्रमण और बीमारियां, जो पहले से मौजूद होती हैं जैसे हेपाटाइटिस, एचआईवी, थायराइड, हृदय रोग एवं अन्य संचारी-गैर संचारी संक्रमणों/बीमारियों से गुजरती है। इन सब बीमारियों/संक्रमण की समय रहते जांच करा क र महिला एवं बच्चे को स्वास्थ्य खतरों से बचाया जा सकता है।

गर्भावस्था के दौरान बीपी और शुगर बढने का असर मां के स्वास्थ्य पर तो पड़ता ही है, जन्म लेने वाले बच्चे को भविष्य में हाइपरटेंशन और डायबिटीज होने की आशंकाएं भी इसी काल में जन्म लेती हैं। यदि हम नवजात शिशु के स्वास्थ्य की शुरुआती देखभाल की बात करें तो सर्वप्रथम उसे 'मां का पहला दूध (कोलोस्ट्रम)', पहले छह माह 'पूर्णतः स्तनपान', छह माह के बाद 'स्तनपान भी, आहार भी', 'अनिवार्य टीके' और आवश्यक 'पोषण' दिया जाना महत्त्वपूर्ण है। जन्म के पहले 1000 दिन (गर्भधारण से लेकर 2 साल तक) बच्चे के स्वास्थ्य के लिए महत्त्वपूर्ण होते हैं। इस दौरान देखभाल से मां के साथ-साथ बच्चे को भविष्य में कुपोषण, निमोनिया/डायरिया, मोटापा (चाइल्डहुड ओबेसिटी) जैसे रोगों से बचाया जा सकता है। आज के दिन मातृत्व एवं शिशु स्वास्थ्य की बात हो रही है, तो बताना जरूरी है कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत जननी सुरक्षा योजना, जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम, प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व कार्यक्रम, टीकाकरण तथा अन्य विभागों द्वारा एनिमिया-मुक्त भारत, राष्ट्रीय पोषण मिशन, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना जैस कार्यक्रम चला कर व्यापक स्तर पर बदलाव लाने की कवायद की जा रही है।

गर्भवती महिलाओं को गर्भकाल में निःशुल्क अल्ट्रासाउंड की सेवाएं सरकारी सेवा केंद्रों के साथ-साथ प्रत्येक माह की 1, 9, 16 एवं 24 तारीख को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस में वाउचर जारी कर निजी क्षेत्र के अल्ट्रासाउंड केंद्रों से उपलब्ध कराई जा रही हैं। आवश्यकता इस बात है कि गर्भधारण होते ही शीघ्र पंजीकरण, चार अनिवार्य जांचें, अल्ट्रासाउंड, आयरन व कैल्शियम की गोलियों का नियमित सेवन करने के लिए महिलाएं स्वयं तैयार हों एवं उन्हें परिवार का समर्थन भी मिले। स्वास्थ्य मौलिक अधिकार है, और इसे सुनिश्चित करने के लिए सरकार के साथ-साथ सभी नागरिकों/संगठनों को यथासंभव अपने स्तर से स्वास्थ्य सेवाओं की ग्राह्यता बढ़ाने के लिए पहल करनी होगी। तभी हम सशक्त राष्ट्र के निर्माण का सपना पूरा होता देख सकेंगे।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

लोगों को हैं नमक के सेवन से जुड़े कुछ भ्रम, जिनकी सच्चाई जानना है बेहद जरूरी

बढ़ता हुआ रक्तचाप या हाई ब्लड प्रेशर एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या है, जो कई बीमारियों का कारण बन सकता है। इसके लिए आमतौर पर खान-पान में शामिल नमक को जिम्मेदार ठहराया जाता है।

इसलिए डॉक्टर भी नमक की खपत कम करने की सलाह देते हैं। हालांकि, क्या वाकई ऐसा करना जरूरी है?

आज हम आपको नमक से जुड़े कुछ आम मिथकों की सच्चाई बताएंगे, ताकि आप बेहतर निर्णय ले सकें।

क्या वाकई नमक खाने से ब्लड प्रेशर बढ़ता है?

नमक की अधिक खपत को हाई ब्लड प्रेशर का कारण माना जाता है। हालांकि, इसका असल प्रभाव उतना नहीं होता, जितना हम सभी सोचते हैं।

कई अध्ययनों के अनुसार, सामान्य मात्रा में नमक का सेवन करने से हाई ब्लड प्रेशर पर कोई खास असर नहीं पड़ता है।

अगर आप पहले से ही हाई ब्लड प्रेशर से पीड़ित हैं तो अपने डॉक्टर की सलाह के अनुसार ही नमक को डाइट में शामिल करें।

नमक के कारण शरीर में पानी रुकता है?

यह सच है कि नमक का सेवन करने से शरीर में पानी रुकता है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि आपको नमक बिलकुल नहीं खाना चाहिए।

दरअसल, पानी की रूकावट का कारण सिर्फ नमक नहीं होता। इसके अलावा, मौसम, शारीरिक गतिविधि और डाइट जैसे कई अन्य कारण भी होते हैं, जो इस परेशानी को बढ़ाते हैं।

इसलिए, संतुलित मात्रा में नमक खाएं और पौष्टिक डाइट भी अपनाएं। साथ ही, रोजाना एक्सरसाइज करने पर भी ध्यान दें।

नमक का सेवन करने से दिल की सेहत पर बुरा प्रभाव पड़ता है?

यह एक आम धारणा है कि नमक का अधिक सेवन करने से दिल की सेहत पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

हालांकि, इसका कोई भी वैज्ञानिक आधार नहीं है और कई अध्ययनों ने इस बात को गलत साबित किया है।

सीमित मात्रा में नमक का सेवन करने से हृदय रोग का खतरा कम हो सकता है और आप स्वस्थ रह सकते हैं। इसलिए, बिना किसी डर के अपनी डाइट में नमक को शामिल करें, लेकिन इसकी अधिकता से बचें।

कितना नमक खाना है सुरक्षित?

इस बात का कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं मिला है कि नमक खाने से ही हाई ब्लड प्रेशर की परेशानी बढ़ती है। हालांकि, अगर आप इसे अधिक मात्रा में लेंगे तो परेशानी बढ़ सकती है।

इसीलिए डॉक्टर से सलाह लें और उनके सुझाव का पालन करते हुए नमक की खपत को कम या ज्यादा करें। अगर आप पहले से ही हाई ब्लड प्रेशर से पीड़ित हैं तो डॉक्टर से दवाएं ले लें।

शब्द सामर्थ्य -95

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. समाप्ति, खात्मा 3. रोगी, बीमार 5. गंभीरता, गहराई 6. बलपूर्वक, जबरदस्ती, व्यर्थ 9. लानत, तिरस्कार सूचक एक शब्द 10. लक्ष्मी, कमला 11. औषधालय 13. नाव खेने का लकड़ी का यंत्र 14. सतह, 'लेवल' 15. बिजली, तड़ित 17. चौकसी, सावधानी, बचाव 19. कहने वाला, वाचनकर्ता 20. सुंदर, अच्छा, बढ़िया 21. लगातार, तड़-तड़ करते हुए।

ऊपर से नीचे

1. शरीर का कोई भाग, शरीर 2. खोज-बीन, जांच-पड़ताल 3. वोट देने का हक 4. जो अत्यधिक शक्तिशाली व कठोर प्रकृति का हो, दृढ़, मजबूत 7. बरसात, पावस, बारिश 8. भरना, अटना, अंदर करना 12. घटना, हादसा, दुर्घटना 13. लिबाज़, पहनने का ढंग 16. नीला वस्त्र पहने वाला, नीला वस्त्र 17. ऐक्य, एक होने का भाव 18. दिल्ली स्थिति प्रसिद्ध जेल।

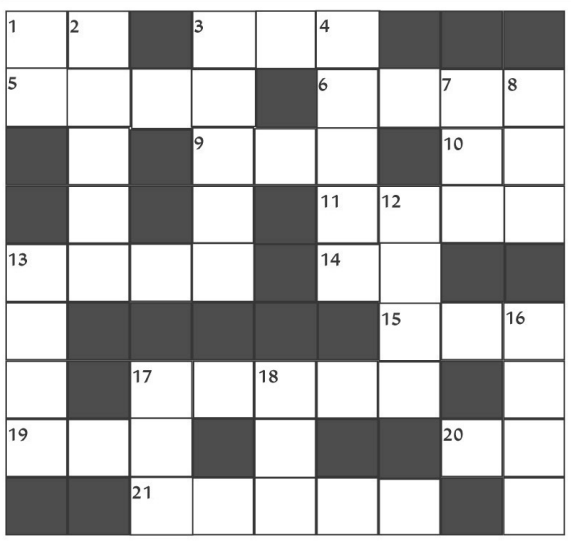

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 94 का हल

वा	स्ता	■	■	सि	स	की	■	■
जि	■	ल	प	ट	■	मा	चि	स
ब	द	ला	■	क	■	■	ल	■
■	■	ट	■	नी	ल	क	म	ल
ता	ली	■	का	■	की	■	■	हू
क	■	स	रो	का	र	■	■	लु
झां	■	ज	बा	न	■	म	सी	हा
क	च	ना	र	■	भा	र्या	■	न
■	र्म	■	■	ज	र	दा	■	■

अंजलि आनंद ने रणवीर सिंह के साथ अपने अनोखे संबंध के बारे में बात की

अभिनेत्री अंजलि आनंद ने रणवीर सिंह के साथ अपने गहरे संबंध के बारे में बात की है और बताया है कि कैसे वे व्यक्तिगत और पेशेवर दोनों स्तरों पर एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। वह उनकी समानताओं पर चर्चा करती हैं, उनके ऊर्जावान व्यक्तित्व से लेकर उनके काम के प्रति उनके साझा जुनून तक, और कैसे उनकी बातचीत ने एक सार्थक संबंध बनाया है। डब्बा कार्टेल की अभिनेत्री ने न केवल एक अभिनेता के रूप में उनके शानदार काम के लिए बल्कि उनके उदार स्वभाव के लिए भी सिंह की प्रशंसा की। अंजलि ने बताया, रणवीर के साथ काम करना बेहद मजेदार है। वह ऊर्जा से भरपूर है और हम कई स्तरों पर एक-दूसरे से जुड़ते हैं। हम दोनों ही फिल्मों के बहुत बड़े प्रशंसक हैं, इसलिए हमारा साझा जुनून साथ काम करने को बहुत मजेदार बनाता है। वह न केवल एक अभिनेता के रूप में बल्कि एक व्यक्ति के रूप में भी अविश्वसनीय

रूप से उदार है। चाहे हम काम कर रहे हों, पार्टी कर रहे हों या बस साथ में मौज-मस्ती कर रहे हों, यह हमेशा खुशी की बात होती है।

आनंद को करण जौहर की फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में रणवीर सिंह की बहन गायत्री रंधावा के किरदार में देखा गया था। 2023 की रोमांटिक कॉमेडी में आलिया भट्ट, धर्मेंद्र, जया बच्चन, शबाना आज़मी, तोता रॉय चौधरी, चूर्णी गांगुली, आमिर बशीर और क्षिती जोग ने भी अभिनय किया। अंजलि आनंद ने डब्बा कार्टेल के सेट पर एक अविस्मरणीय क्षण को भी याद किया, जहां वह अनुभवी अभिनेत्री शबाना आज़मी के साथ एक दृश्य को फिल्माते समय पूरी तरह से आश्चर्यचकित रह गई थीं।

अंजलि ने बताया, एक खास पल था जब मैं शबाना जी के साथ डब्बा करताल में एक सीन फिल्मा रही थी। उन्होंने यूं ही एक नाम लिया- कोई ऐसा व्यक्ति जो कभी उनका बॉस था, कोई महत्वपूर्ण व्यक्ति- और मैं पूरी तरह से चौंक गई। उस पल में मेरे विचार बिखर गए। मैं सोच रही थी, मैं यहां हूं, शबाना आज़मी के सामने खड़ी हूं! यह निश्चित रूप से मुझे थोड़ा परेशान कर रहा था। लेकिन फिर मुझे एहसास हुआ कि मुझे अपना संयम बनाए रखना है और मेरे सामने मौजूद व्यक्ति की परवाह किए बिना प्रदर्शन देने पर ध्यान केंद्रित करना है। उस पल ने निश्चित रूप से मुझे कुछ सेकंड के लिए अपना ध्यान खो दिया, जो मेरे लिए असामान्य था। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था, लेकिन यह एक शक्तिशाली क्षण था। अंजलि हाल ही में नेटफ्लिक्स के शो डब्बा कार्टेल में नजऱ आईं, जहाँ उन्होंने बिंदास लेकिन भोली-भाली शाहिदा का किरदार निभाया। हितेश भाटिया द्वारा निर्देशित इस सीरीज़ में शबाना आज़मी, गजराज राव, ज्योतिका, निमिषा सजयन और शालिनी पांडे भी थे। (आरएनएस)

श्रीकांत ओडेला ने फिल्म निर्माण में रखा कदम

ब्लॉकबस्टर फिल्म दशहरा के पीछे प्रतिभाशाली फिल्म निर्माता श्रीकांत ओडेला, अपना खुद का बैनर, सम्मक्का सरक्का क्रिएशंस लॉन्च करके फिल्म निर्माण में अपने क्षितिज का विस्तार कर रहे हैं। चाई बिस्केट फिल्म्स के अनुराग रेड्डी और शरत चंद्र इस उद्यम पर ओडेला के साथ साझेदारी कर रहे हैं। प्रोडक्शन हाउस की पहली फिल्म, अल अमीना ज़रिया रुक्साना की गुलाबी, 2009 में कोयला शहर गोदावरीखानी में हुई सच्ची घटनाओं पर आधारित एक कठोर प्रेम कहानी है। ओडेला न केवल फिल्म का निर्माण करते हैं, बल्कि कहानी भी प्रदान करते हैं, जिसे नवोदित चेतन बंदी द्वारा लिखा और निर्देशित किया गया है।

फिल्म के शीर्षक और पोस्टर ने काफी रुचि पैदा की है, पोस्टर में एक लडक़ी को काले रंग की साड़ी में किनारे पर चलते हुए दिखाया गया है, जिसके चारों ओर लाल गुलाब बिखरे हुए हैं। शीर्षक और आकर्षक पोस्टर के संयोजन ने दर्शकों को फिल्म के बारे में और अधिक जानने के लिए उत्सुक कर दिया है। अल अमीना ज़रिया रुक्साना की गुलाबी एक प्रेम गाथा है जो एक लडक़ी की गहरी भावनाओं को दर्शाती है जो एक लडक़े से बहुत प्यार करती है। प्री-प्रोडक्शन का काम पहले ही शुरू हो चुका है और टीम जल्द ही नियमित शूटिंग शुरू करने की तैयारी कर रही है।

श्रीकांत ओडेला का फिल्म निर्माण में प्रवेश तेलुगु फिल्म उद्योग में एक महत्वपूर्ण विकास है। एक फिल्म निर्माता के रूप में अपने अनुभव और कहानी कहने के अपने जुनून के साथ, ओडेला ऐसी फिल्में बनाने के लिए अच्छी स्थिति में हैं जो दर्शकों को पसंद आएंगी। सिनेमा में अपने बेजोड़ स्वाद के लिए जानी जाने वाली चाई बिस्केट फिल्म्स के साथ साझेदारी इस नए प्रोडक्शन वेंचर के प्रति उत्साह को बढ़ाती है।

जैसे-जैसे टीम शूटिंग शुरू करने के लिए तैयार हो रही है, प्रशंसक फिल्म के बारे में और अपडेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। आने वाले दिनों में कलाकारों और तकनीकी क्रू का खुलासा किया जाएगा, जिससे अल अमीना ज़रिया रुक्साना की गुलाबी को लेकर उत्सुकता और बढ़ जाएगी।

तारा सुतारिया ने सीफूड सैटरडे का लुत्फ उठाया

बॉलीवुड अभिनेत्री तारा सुतारिया ने अपने घर पर सीफूड सैटरडे का लुत्फ उठाया। सप्ताहांत के लिए मेन्यू में जेरेश्क बेरीज के साथ पुलाव के बिस्तर पर परोसा गया मेमना, बटरी गार्लिक क्रैब और प्रॉन कॉकटेल, स्ट्रॉबेरी, अखरोट, रॉकेट/अरुगुला सलाद के साथ हनी बाल्समिक ड्रेसिंग और चेरी टमाटर, नींबू, लहसुन, मसालेदार एंकोवी पेस्ट के साथ प्रॉन स्पेगेटी शामिल थे।

तारा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर लिखा, घर पर मैंने बहुत सारा बटरी गार्लिक क्रैब और प्रॉन कॉकटेल पकाया (तस्वीर में नहीं है क्योंकि हमने इसे किसी के फोटो खींचने से पहले ही खा लिया!) स्ट्रॉबेरी, अखरोट, रॉकेट/अरुगुला सलाद शहद बाल्समिक ड्रेसिंग के साथ और पिया ने चेरी टमाटर, नींबू, लहसुन, मसालेदार एंकोवी पेस्ट के साथ एक प्यारा प्रॉन स्पेगेटी बनाया! सीफूड और हमारे सबसे पुराने दोस्तों के साथ शानदार व्हाइट ग्लास... इससे ज्यादा और क्या चाहिए।

अभिनेत्री ने कहा, आखिरी तस्वीर में मैंने पहली बार पकाए गए लैम का एक बेहतरीन लेग पीस दिखाया है। जेरेश्क बेरीज के साथ पुलाव की परत पर परोसा गया, यह लाजवाब था।

इससे पहले, तारा ने खुशी के बारे में अपने विचार बताए। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक मजेदार वीडियो शेयर किया, जिसमें वह काले और सफेद धारीदार नाइट सूट में मस्ती करती नजर आ रही थीं। इस स्टनर ने 80 के दशक के सिंथ-पॉप ट्रैक पर शानदार लिप-सिंक किया।

उनकी पोस्ट का शीर्षक था, अपने पुराने दोस्तों के साथ अपने पीजे में बैठकर 80 के दशक के अपने पसंदीदा गाने बजाने जैसा कुछ नहीं... बहुत ही आनंददायक!!!! (यदि आप इंट्रो पर लिप सिंक नहीं करते हैं तो हम दोस्त नहीं बन सकते!!!)

अपने काम के बारे में बात करते हुए, तारा हाल ही में ईशान खट्टर के साथ रोमांटिक ट्रैक प्यार आता है में नजर आईं।

स्नेहा शेट्टी कोहली द्वारा निर्देशित, इस मधुर गीत को श्रेया घोषाल ने रीतो रीबा के साथ मिलकर आवाज दी है।

प्यार आता है की शूटिंग कश्मीर के पहलगाम में माइनस 10 डिग्री तापमान में की गई थी।(आरएनएस)

सैफ की फिल्म ज्वेल थीफ 25 अप्रैल को नेटफ्लिक्स पर होगी रिलीज

काफी समय से अभिनेता सैफ अली खान अपनी आगामी फिल्म ज्वेल थीफ: द हीस्ट बिगिन्स को लेकर चर्चा में बने हुए हैं, जिसके निर्देशन की कमान सिद्धार्थ आनंद ने संभाली है। सैफ के साथ इस फिल्म में दिग्गज अभिनेता जयदीप अहलावत भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

इस फिल्म का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो जल्द खत्म हो जाएगा।

अब ज्वेल थीफ के ट्रेलर से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी सामने आ रही है।

ज्वेल थीफ का ट्रेलर 14 अप्रैल, 2025 को रिलीज किया जाएगा। फिलहाल इस खबर की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। बता दें कि अब तक फिल्म का टीजर भी रिलीज नहीं हुआ है।

ज्वेल थीफ सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। फिल्म का प्रीमियर 25 अप्रैल, 2025 से नेटफ्लिक्स पर होने जा रहा है।

सैफ और जयदीप के अलावा इस फिल्म में कुणाल कपूर और निकिता दत्ता जैसे कलाकार भी अभिनय करते नजर आएंगे।

ज्वेल थीफ: द हीस्ट बिगिन्स के अलावा सैफ के पास हंसल मेहता की भी एक फिल्म है। यह दोनों के बीच पहला सहयोग होगा। इस फिल्म की कहानी एक किताब पर आधारित है।

उन्होंने कहा था, सैफ और मैं एक फिल्म पर काम कर रहे हैं। मैं इस फिल्म का निर्देशन कर रहा हूं।

हाल ही में हंसल चंडीगढ़ में आयोजित सिनेवेस्टर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में शामिल हुए, जहां उन्होंने खुलासा किया कि वह सैफ के साथ काम करेंगे। (आरएनएस)

लोक जीवन में व्याप्त श्री राम

विवेक रंजन श्रीवास्तव

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान् श्री राम बुंदेलखंड के लोक जीवन में सर्व व्याप्त हैं । अभिवादन में राम राम , जन्म , विभिन्न तीज त्यौहार , विवाह संस्कार , से लेकर जीवन से मुक्ति तक राम नाम बुंदेलखण्ड की संस्कृति का हिस्सा है । बुंदेलखंड के लोकगीत और लोककथाएँ राम के जीवन और चरित्र से जुड़ी हैं। दादी नानी जो कहानियां सुनाकर बच्चो को सुलाती हैं उन लोक कथाओ में राम के जीवन और चरित्र की कहानियां होती हैं । बुंदेलखंड की पावन तीर्थ धरा चित्रकूट में श्री राम ने भगवती सीता और भ्राता लक्ष्मण के संग अपने वनवास का सर्वाधिक समय बिताया । रामपथ गमन का बड़ा हिस्सा बुंदेलखण्ड से गुजरता है । पन्ना के सारंग धाम में ही भगवान श्री राम ने दैत्यों के सर्वनाश के लिए धनुष उठाया था । भगवान श्री राम ने चित्रकूट में कामद गिरी पर्वत की परिक्रमा की थी , यह स्थल आज भी एक भव्य तीर्थ के रूप में लोक प्रतिष्ठित है । चित्रकूट के आस पास के क्षेत्र के प्राय: लोग घर पर नहीं वरन चित्रकूट में मंदाकिनी तट पर ही दीपदान कर दीवाली मनाते हैं । रामबाण उपाय किसी भी प्रयास की शत प्रतिशत सफलता के प्रतीक माने जाते हैं। स्वाभाविक है कि यहां की लोक संस्कृति में राम के आदर्श , उनका जीवन चरित रचा बसा है । बुंदेलखंड की पारम्परिक कला में, चित्रकला और मूर्तिकला में , बुंदेली नाट्य तथा साहित्य में राम के जीवन के विभिन्न दृश्य पीढ़ी दर पीढ़ी स्वत: अधिरोपित हो जाते हैं । घरों के दरवाजों , तोरण , पूजा पाठ के पटों पर ये राम मय चित्र देखने मिल जाते हैं ।

राम से बड़ा राम का नाम होता है । अकादमिक लेख से परे एक स्वअनुभूत संस्मरण साझा करना चाहता हूं । मैं एक निजी बस में यात्रा कर रहा था । भीड़ थी । मुझ से अगली सीट पर एक ग्रामीण किशोर बैठा हुआ था , और उसके बाजू में एक युवती । बस चली , थोड़ी देर में ही युवती की जोर से आवाज आई जै राम जी , और युवक किंचित संकुचित हो सरक कर बैठ गया । मुझे स्पष्ट समझ आ गया कि क्या हुआ होगा , और किस तरह युवती ने चतुराई से केवल जै राम जी कहकर स्थिति को संभाल लिया । मैं कल्पना कर सकता हूं कि यदि , यही घटना किसी महानगर की पढ़ी लिखी लडक़ी के साथ शहर में हुई होती तो क्या हंगामा खड़ा हो गया होता । युवती की चतुराई से केवल राम नाम के सही समय पर, सही स्वर और भाव के साथ उच्चारण मात्र से एक अप्रिय घटना , घटने से पहले ही टाली जा सकी । यह राम नाम के बुंदेलखण्ड के लोक जीवन में संमिश्रित होने का बड़ा उदाहरण है । मनोवैज्ञानिक इस घटना का विष्लेषण कर बड़ा बिहेवियरल रिसर्च पेपर बना सकते हैं । बुंदेली संस्कृति में राम नाम के ऐसे अनुप्रयोग बेहद आम , सहज , लोक व्यवहार का हिस्सा हैं ।

बुंदेलखण्ड के प्रत्येक गांव नगर में कोई न कोई राम मंदिर है । प्रति वर्ष यहां शहर शहर राम लीला के मंचन होते हैं । राम नवमी पर राम जन्म शोभा यात्रायें निकाली जाती हैं । दशहरे पर रावण दहन के विशाल आयोजन होते हैं । वर्ष भर कभी न कभी , कहीं न कहीं राम कथा के आयोजन समारोह पूर्वक कथा वाचको के द्वारा किये जाते हैं , जिन्हें भक्त श्रद्धा और भक्ति के साथ प्रायोजित करते हैं । इन आयोजनों के माध्यम से पूजन सामग्री , बच्चों के खेल के धनुष बाण , इत्यादि की कई लोगों क रोजगार और आजीविका जुड़ी होती है ।

बुंदेली लोकगीतों में राम नाम रमा हुआ है ... उदाहरण स्वरूप देखिये ।

अवध में जन्मे राम सलोना
बंधनवारे बंधे दरवाजे
कलश धरे दोऊ कोना। अवध...
रानी कौशिल्या ने बेटा जाये
राजा दशरथ के छौना । अवध...
रानी कौशिल्या ने कपड़े लुटाये
राजा दशरथ ने सोना। अवध...
हीरा लाल जड़े पलना में
नजर लगे न टोना। अवध..
श्री रामचन्द्र जन्म लिये चैत सुदि नौमी।
दाई जो झगड़े नरा की छिनाई
कौशिल्या जी की साड़ी लैहों, सोर की उठाई। श्री...
नाइन झगड़े नगर की बुलाई
कौशिल्या जी को लैहों हार , महल की पुताई। श्री...
पंडित झगड़ें पंचाग दिखाई
दशरथ जी को घोड़ा लैहों वेद की पढ़ाई। श्री...
ननदी जी झगड़े आँख की अंजाई
तीन लोक राज लैहों सांतिया धराई। श्री...

राजा दशरथ के चारों लाल दिन-दिन प्यारे लगें
अंगना में खेलें चारों भैया,
चलत घुटरुअन चाल, दिन-दिन प्यारे लगे। राजा...
खुशी भई है तीनऊ मैया।
दशरथ खुशी अपार, दिन-दिन प्यारे लगे। राजा...
गुरू की दीक्षा लेके उनने
मारे निशाचर तमाम, दिन दिन प्यारे लगें। राजा...
स्वयंबर भयो जनक नगर में
ब्याहे चारों-भाई, दिन-दिन प्यारे लगें। राजा...
ब्याह के आये अवध नगर खों
खुशी भये नर नारि, दिन-दिन प्यारे लगें। राजा...
झुला दो रघुबर के पालने री।
झुलाओ मोरे हरि को पालने री।
कै गोरी आली सबरे बृज की संखियां,
घेर लए हरि के पालने री। झुला दो...
कै मोरी आली कोरी मटुकिया को दहिया,
जुठार गयो तोरो श्यामलो री। झुला दो...
कै मोरी आली तू गूजरी मदमाती,
पलना मोरो झूले लाड़लो री। झूला दो...
अवधपुरी में चैन परे न
बनखों गये रघुराई मोरे लाल
राम लखन और जनकदुलारी,
अब न परत रहाई मोरे लाल
सब रनवास लगत है सूनो,
रोवे कौशला माई मोरे लाल
नगर अयोध्या के सब नर-नारी,
सबरे में उदासी छाई मोरे लाल
जब रथ भयो नगर के बाहर,
दशरथ प्राण गये हैं मोरे लाल
चौदह साल रहे ते वन में,
सहो कठिन दुखदाई मोरे लाल
वन-वन भटकी परी मुसीबत,
शोक सिया खों भारी मोरे लाल

इसी तरह के अनेकानेक लोक गीत किसने कब लिखे कोई नहीं जानता । किसने इन गीतों की धुन बनाई यह भी अज्ञात है । आज हम आप फेसबुक पर अपनी शब्दों की बाजीगिरी की छोटी सी कविता कोई अन्य प्रयुक्त कर ले तो कितना हंगामा खड़ा कर डालते हैं । इसके विपरीत बुंदेली लोक जीवन में व्याप्त ये लोक गीत , ढ़ोलक की थाप पर सास से बहुओं तक गायन शैली में मुखरित होते पीढ़ीयों से गाये जा रहे हैं । अब अवश्य इन गीतों को यू ट्यूब , नये संसाधनो से प्रचारित तथा किताबों में संरक्षित किया जा रहा है ,एवं इन पर शोध हो रहे हैं ।

बुंदेलखंड के साहित्य में रामकथा का महत्वपूर्ण स्थान है। महाकवि गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरित मानस की रचना ही चित्रकूट में की थी । आज भी उत्तर प्रदेश के गोस्वामी तुलसीदास के जन्मस्थान राजापुर के मानस मंदिर में रामचरितमानस की मूल प्रति सुरक्षित रखी हुई है । पुरातत्व विभाग के प्रयासों से पाण्डुलिपि को संरक्षण कर नया जीवन दिया गया है। प्रतापगढ़ के कालाकांकर घाट में काशी नरेश ईश्वरी नारायण सिंह के प्रयासों से रामचरितमानस की यह मूल प्रति मिली थी जो पहले चोरी चली गई थी। इस मूल प्रति का अधिकांश भाग गुम हो चुका है , लेकिन अयोध्या कांड से संबंधित सभी 168 पृष्ठ मानस मंदिर में सुरक्षित रखे हुए हैं।

चित्रकूट में ही केशवदास की रामचंद्रिका और मैथिलीशरण गुप्त की साकेत जैसी रचनाएँ बुंदेलखंड के साहित्य में रामकथा को दर्शाती हैं। उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार गोस्वामी तुलसीदास की रामचरित मानस की रचना के पूर्व ग्वालियर के कवि विष्णुदास ने संवत् 1499 वि.सं. (सन् 1442 ई. में वाल्मीकि रामायण के आधार पर बुन्देली मिश्रित ब्रज भाषा में रामायन कथा नामक ग्रन्थ की रचना की थी । बुंदेलखंड की धरती को राम कथा की उत्पत्ति का केंद्र माना जाता है। क्योंकि वाल्मीकि और तुलसीदास दोनों ने ही इस धरती पर तपस्या कर राम कथायें लिखी । अयोध्या शोध संस्थान , से प्रकाशित साक्षी अंक 20 बुंदेली भाषा में राम कथा पर केंद्रित है । इसका संपादन इलाहाबाद विश्वविद्यालय के डा. योगेंद्र प्रसाद ने किया है । वाणी प्रकाशन से प्रकाशित इस कृति में व्यापक शोध सामग्री , बुंदेली लोक जीवन में श्रीराम पर संग्रहित है ।

बुंदेल खण्ड की सीमाओ के संदर्भ में इत यमुना, उत नर्मदा, इत चंबल, उत टोंस। छत्रसाल सों लरन की, रही न काहू हौंसङ्क

इसका अर्थ है कि यमुना से नर्मदा तक, चंबल से टोंस तक, छत्रसाल के साथ युद्ध करने की किसी में भी हिम्मत नहीं थी महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड के एक महान योद्धा थे, जिन्होंने मुगल शासकों के खिलाफ स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया. स्वयं महाराजा छत्रसाल भगवान श्रीराम के परम भक्त थे । हाँ, महाराजा छत्रसाल भगवान श्री राम के परम भक्त थे और उन्होंने बुंदेलखंड में पन्ना में राम जानकी मंदिर की स्थापना करवाई थी. स्वयं परम वीर महाराजा छत्रसाल महावीर हनुमान जी के भी उपासक थे. पन्ना में श्री राम जानकी मंदिर प्रांगण में 300 साल पुरानी चंवर डुलाई की परंपरा आज भी निभाई जाती है. यथा राजा तथा प्रजा समूचे बुंदेलखण्ड क्षेत्र में सदियों से राम जानकी मन प्राण से जन जीवन में व्याप्त हैं । यह आयोजन भी इसी भाव की अभिव्यक्ति है ।

जै श्री राम

सू- दोकू क्र.95

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.94 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

तकनीकी गौरव: समुद्र पर पंबन रेल ब्रिज

विवेक रंजन श्रीवास्तव

देश के मुख्य भू भाग से रामेश्वरम को बढ़ते यातायात की आवश्यकताओं को देखते हुए, भारत सरकार ने पिछले कुछ वर्षों से बंद पड़े पुराने पंबन ब्रिज के समानांतर एक नया आधुनिक पुल बनाया है , जिसका उदघाटन पिछले दिनों रामनवमी के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया।

नया पंबन ब्रिज 2.1 किलोमीटर लंबा है और इसमें कुल 100 स्पैन हैं, जिनमें से 99 स्पैन 18.3 मीटर लंबे हैं तथा एक मुख्य नेविगेशनल स्पैन 72.5 मीटर लंबा है।इस स्पेन की विशेष बात इसका वर्टिकल लिफ्ट है, जो भारत में अपनी तरह का पहला है। यह स्पैन 17 मीटर तक ऊंचा उठ सकता है, जिससे बड़े जहाज और नौकाएँ समुद्र में पुल के नीचे से गुजर सकती हैं। यह प्रणाली अत्याधुनिक इलेक्ट्रो-मैकेनिकल तकनीक पर आधारित है, और रेलवे नियंत्रण प्रणाली के साथ पूरी तरह इंटरलॉक्ड है, जिससे इसकी संचालन प्रक्रिया बेहद सुरक्षित और सटीक होगी ।

नए पुल के निर्माण में लगभग 535 करोड़ रुपये की लागत आई है। इसमें 3.38 लाख सीमेंट बैग, 4,500 मीट्रिक टन संरचनात्मक स्टील और 5,772 मीट्रिक टन स्टेनलेस स्टील का उपयोग किया गया है। पुल के टावरों की ऊंचाई 34 मीटर है और इसका डिज़ाइन भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इस प्रकार तैयार किया गया है कि इसे डबल लाइन व विद्युतीकरण के अनुकूल आसानी से परिवर्तित किया जा सकेगा । यह लोहे का पुल है अत:, समुद्री जल के संक्षारण से बचाव के लिए विशेष पेंटिंग तकनीक अपनाई गई है, जिससे इसकी उम्र और टिकाऊपन में वृद्धि होगी।

इस ब्रिज का महत्व केवल इंजीनियरिंग की दृष्टि से ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और आर्थिक दृष्टिकोण से भी बहुत अधिक है। यह रामेश्वरम जैसे धार्मिक स्थल को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ता है और पर्यटन, व्यापार तथा स्थानीय मछुआरों की आजीविका को भी सशक्त करता है।

पुराना यातायात हेतु बंद पंबन ब्रिज और नया पंबन ब्रिज दोनों ही भारत की इंजीनियरिंग प्रतिभा, संकल्प शक्ति और सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक हैं। जहां पुराना पुल भारतीय रेलवे की शताब्दी पुरानी सेवा का साक्षी है, वहीं नया पुल आधुनिक भारत के आत्मनिर्भर और तकनीकी रूप से सक्षम राष्ट्र की छवि को प्रस्तुत करता है।

जब कोई यात्री पंबन ब्रिज से गुजरेगा तो वह केवल एक यात्रा नहीं , बल्कि इतिहास, संस्कृति और आधुनिकता के मिलन बिंदु से होकर गुजरेगा ।

निर्माणाधीन सामुदायिक भवन का कैबिनेट मंत्री ने किया निरीक्षण

संवाददाता

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने निर्माणाधीन सामुदायिक भवन का निरीक्षण कर जरूरी दिशा निर्देश दिये।

आज यहां कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने गढ़ीकैंट क्षेत्र में लगभग 10 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन सामुदायिक भवन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मंत्री जोशी ने निर्माण कार्य से संबंधित कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य को तय समयसीमा में गुणवत्तापूर्णक पूर्ण किया जाए। इस अवसर पर मंत्री ने प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि धामी सरकार की विशेषता है, कि वह जिन परियोजनाओं का शिलान्यास करती है, उनका लोकार्पण भी सुनिश्चित करती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जनसुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

कैबिनेट मंत्री ने बताया कि यह अत्याधुनिक सामुदायिक भवन गढ़ीकैंट क्षेत्र की जनता के लिए एक बहुउपयोगी संसाधन होगा, जिसका उपयोग शादी-विवाह एवं अन्य सामाजिक कार्यक्रमों के लिए किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य पूर्ण होते ही यह भवन जनता को समर्पित कर दिया जाएगा। इस दौरान एमडीडीए के अधिशासी अभियंता सुनील कुमार, छावनी परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष विष्णु प्रसाद गुप्ता, नीरा थापा, निर्मला भट्ट, मनोज क्षेत्री, प्रदीप शर्मा, सारिका प्रधान आदि उपस्थित रहे।

गाडी की साईड लगने पर मारपीट कर किया घायल

संवाददाता

देहरादून। गाडी की साईड लगने पर मारपीट कर घायल करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार झडीपानी निवासी हाशिम अंसारी ने मसूरी कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका परिवार देहरादून से वापस आ रहा था तथा चूनाखाला के समीप राजन क्षेत्री तेज रफ्तार से आकर उनकी गाड़ी में रगड मारते हुए निकले जिसके बाद दोनों पक्षों में कहा-सुनी हुई। जब उसका परिवार झड़ीपानी पहुंचा तो राजन क्षेत्री के लोगों ने और लोग इकट्ठा कर लिए तथा उनकी गाड़ी रोड पर रूकवाकर पूरे परिवार को पीटा जिसमें उसके पुत्र फरहान अख्तर के गम्भीर चोटे आई हैं उसके सर पर ईंट तथा डंडों से जानलेवा हमले किए गए जिस कारण उसके कान का परदा फट गया और उसे सिविल अस्तपाल मसूरी से सर में आई चोटों के कारण से डॉक्टरों द्वारा सीटी स्कैन के लिए देहरादून रेफर कर दिया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

चरस सहित एक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

पिथौरागढ़। चरस तस्करी कर रहे एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से 403 ग्राम चरस बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीती शाम एक सूचना के बाद एसओजी व कोतवाली पिथौरागढ़ पुलिस द्वारा क्षेत्र में चैकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान पुलिस को ग्राम मठखानी गांव के पास एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रोक कर तलाशी ली तो

उसके पास से 403 ग्राम चरस बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम देवेन्द्र सिंह पुत्र बलवन्त सिंह निवासी ग्राम मठखानी, ग्राम सभा चौसर, पिथौरागढ़ बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। बरामद चरस की कीमत 80 हजार रूपये बतायी जा रही है।

आपदा प्रबंधन परखने को माक ड्रिल 24 अप्रैल को

विशेष संवाददाता

देहरादून। बेमौसम बारिश भले ही चार धाम यात्रा की तैयारियों में अड़गें डाल रही हो लेकिन तमाम विषम परिस्थितियों के बीच भी यात्रा की तैयारियां जारी है तथा उन्हें 25 अप्रैल से पूर्व पूर्ण करने की कोशिशें की जा रही है। 30 अप्रैल से यात्रा का शुभारंभ होने जा रहा है। आज इसी सिलसिले में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक में यात्रा के दौरान किसी भी तरह की आपदा से निपटने पर विचार मंथन किया गया। इस बैठक में 24 अप्रैल को आपदा प्रबंधन से जुड़े सभी विभागों की मॉक ड्रिल कराये जाने का फैसला लिया गया।

आपदा प्रबंधन सचिव विनोद कुमार ने एसडीआरएफ तथा एनडीआरएफ के अधिकारियों तथा तमाम सुरक्षा प्रबंधन से जुड़े विभागों के अधिकारियों के साथ हुई बैठक में कहा कि चार धाम यात्रा के दौरान हमें अनेक तरह की आपदाओं का सामना करना पड़ता है। कहीं भूस्खलन की घटनाएं होती है और पहाड़ से आए पत्थर तथा मलबे में वाहन और यात्री दब जाते हैं तो कहीं कोई वाहन गहरी

❑सभी विभागों के द्वारा लिया जाएगा भाग, रिस्पांस टाइम में सुधार सबसे ज्यादा जरुरी

खाई और नदी में गिर जाता है तो कहीं लोग रास्ता बंद होने से फंस जाते हैं तो कभी-कभी 2016 जैसी आपदाओं का सामना करना पड़ता है। चार धाम यात्रा मार्गों पर बारिश और बर्फबारी के कारण भी तमाम तरह की समस्याएं सामने खड़ी हो जाती है तो कहीं आग लगने जैसी घटनाएं हो जाती हैं। मानसून काल में यात्रा के समय ज्यादा दिक्कतें आती है क्योंकि इस दौरान नदियों व नालो का जलस्तर बढ़ जाता है सड़को को भारी नुकसान होता है भू धसांव व भूस्खलन की घटनाएं बढ़ जाती हैं।

उन्होंने कहा कि हर आपदा काल में स्थिति परिस्थितियां अलग-अलग तरह की होती है। इसलिए उनसे निपटने के लिए रणनीति व तैयारी भी अलग हैं हेली दुर्घटनाओं से लेकर तमाम तरह की दुर्घटनाओं व हादसों से निपटने के लिए चार धाम यात्रा मार्गों पर आगामी 24 अप्रैल को विभिन्न यूनिटों व विभागों द्वारा माक ड्रिल के जरिए आपदा प्रबंधन की तैयारियों को परखा जाएगा और अगर कहीं कोई कमी रहती है तो उसे सुधारा जाएगा। उन्होंने कहा कि बचाव राहत कार्य में एक्शन टाइमिंग और रिस्पांस टाइम का सबसे अधिक महत्व रहता है।

महंगाई के विरोध में कांग्रेस ने किया भाजपा सरकार का पुतला दहन

संवाददाता

देहरादून। बढती महंगाई के खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर भाजपा सरकार का पुतला दहन किया।

आज यहां डिस्पेंसरी रोड पर वरिष्ठ नेता एवं पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा और पूर्व विधायक राजकुमार के नेतृत्व में एक जोरदार विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। इस विरोध प्रदर्शन में महंगाई की मार से त्रस्त व्यापारियों ने गैस, डीजल, पेट्रोल, खाद्य पदार्थों और बिजली की दरों में बेतहाशा वृद्धि के खिलाफ भाजपा सरकार का पुतला दहन किया। पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार अपनी मनमानी पर उतरी हुई है। महंगाई चरम सीमा पर है लेकिन केंद्र और राज्य सरकार का ध्यान इस गंभीर समस्या की ओर नहीं है। आम जनता त्रस्त है, लेकिन सरकार अपने प्रचार और झूठे वादों में व्यस्त है। पूर्व विधायक राजकुमार ने कहा कि यह सरकार झूठे वादों की सरकार बन चुकी है। चुनाव के समय बिजली फ्री देने की बात करने वाली भाजपा आज उत्तराखंड जैसे ऊर्जा प्रदेश में भी बिजली को आम जनता की पहुंच से बाहर कर रही है। जब उत्तराखंड बिजली उत्पादन में आत्मनिर्भर है, तो यहां की जनता को महंगी बिजली क्यों दी जा रही है? इस अवसर पर व्यापार प्रकोष्ठ के महानगर अध्यक्ष सुनील कुमार बांगा ने भी तीखा हमला बोलते हुए कहा कि व्यापारियों की हालत इस वक्त बेहद खराब है। महंगाई इतनी ज्यादा है कि ग्राहक बाजार से दूरी बना रहे हैं और दुकानदारों का व्यापार ठप हो रहा है। सरकार को तत्काल महंगाई पर अंकुश लगाने के ठोस उपाय करने चाहिए, वरना व्यापार जगत में असंतोष और गहराता जाएगा।

इस विरोध प्रदर्शन में पार्षद अर्जुन सोनकर, एतात खान, असगर अली, राम कपूर, सोम प्रकाश वाल्मीकि, अजीत सिंह, चमन लाल, सनी सोनकर, राजेंद्र सिंह घई, गुरुनेन सिंह, फुरकान अली, तीरथ सचदेवा, शमशाद अली, समीर, प्रमोद कुमार गुप्ता सहित बड़ी संख्या में व्यापारी एवं कांग्रेसजन उपस्थित रहे। उत्तराखंड कांग्रेस यह स्पष्ट करती है कि जनता को राहत देने के लिए पार्टी सड़कों से लेकर सदन तक संघर्ष करेगी और जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आवाज बुलंद करती रहेगी।

40 लाख की धोखाधडी में पति पत्नी के खिलाफ मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। ग्राहकों व कर्मचारियों से लगभग चालीस लाख की धोखाधडी के मामले में पुलिस ने पति पत्नी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सेलाकुई निवासी मीनाक्षी पाल ने बसंत विहार थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह हिमसंचय क्रियेशन निधि प्रा. लि. देहरादून की कर्मचारी है, एवं वह कंपनी की सेलाकुई स्थित शाखा में 2018 से कार्यरत है, हिमसंचय कम्पनी के मालिक एवं संचालक कपिल देव शर्मा है, जो कि शास्त्रीनगर देहरादून उत्तराखण्ड के निवासी है. उपरोक्त कम्पनी का हैड आफिस इन्दिरा नगर चौहान कॉम्पलेक्स में स्थित है, उपरोक्त कंपनी स्मॉल बैंक से सम्बन्धित कार्य करती है, जिसमें आरडी, एफडी इत्यादि सम्मिलित है, उपरोक्त कंपनी की सेलाकुई स्थित शाखा में उसके सहित लगभग 6 अन्य लोग कार्यरत थे, जो कि ऑफिस में भी कार्य करते थे और ग्राहक से प्रतिमाह और दिन का कलेक्शन प्राप्त करने का भी कार्य करते थे, ग्राहको को कोई भी खाता खोलने पर कंपनी का बांड एवं पासबुक प्रदान की जाती थी, कपनी की सेलाकुई ब्रांच में कार्यरत सभी कर्मचारियों द्वारा लगभग 12 लाख रूपये प्रतिमाह का कलेक्शन किया जाता था और समस्त खातों में प्राप्त धनराशि समस्त हिसाब-किताब के साथ कंपनी के मालिक एवं संचालक कपिल शर्मा एवं उनकी धर्मपत्नी भावना शर्मा को प्राप्त करा दी जाती थी, इसके अलावा उपरोक्त कंपनी की देहरादून में 3 अन्य शाखाएं एवं अन्य राज्यों में भी अपनी शाखायें खोली गयी थी। अपनी भी एक 40 हजार की फिक्स डिपोजिट करायी थी इस प्रकार उसके द्वारा लगभग 41 लाख 14 हजार 100 रुपये की धनराशि कंपनी में ग्राहकों से जमा कराई गई, किन्तु जब कंपनी में ग्राहकों के के प्रतिदिन के खाते, महीने के खाते और फिक्स डिपॉजिट की अवधि पूर्ण हो गयी, तब ग्राहकों ने अपनी जमा की गई धनराशि की निकासी हेतु उपरोक्त कंपनी से आग्रह किया तो कंपनी के संचालक कपिल देव शर्मा के द्वारा टाल-मटोल की जाने लगी, तथा उक्त समय पर पैसे ना लौटाने के कई बहाने बनाये जाने लगे वर्तमान समय में उसके एवं कम्पनी के अन्य कर्मचारियों पर सभी ग्राहक कम्पनी से धनराशि वापस दिलाने हेतु दबाव बना रहे है और प्रार्थिनी एवं कम्पनी के अन्य कर्मचारियों के साथ धनराशि न दिये जाने पर अभद्रता कर रहे है कपिल शर्मा द्वारा अपना मोबाईल फोन भी स्वीच ऑफ कर दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

डीएम सविन के प्रोजेक्ट 'उत्कर्ष' से समृद्ध आत्मविश्वासी बनते जिले के सरकारी स्कूल

कार्यालय संवाददाता

देहरादून । सीएम की सकारात्मक ऊर्जा से प्रोजेक्ट 'उत्कर्ष' के तहत् सरकारी स्कूलों को पठन-पाठन आधुनिक तकनीक से स्कूलों को स्मार्ट बनाने के डीएम सविन बंसल के प्रयास धरातल पर उतरने लगे हैं। जिसके अन्तर्गत वित्तीष वर्ष 2024-25 मार्च में दुर्गम क्षेत्र चकराता, कालसी के स्कूलों को फर्नीचर उपलब्ध करा दिया गया हैं तथा शेष विकासखण्ड विकासनगर, सहसपुर, रायपुर व डोईवाला में वित्तीय वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत फर्नीचर आच्छादित करने हेतु ओएनजीसी ने कार्य आदेश जारी कर दिया है।

स्कूलों को स्मार्ट बनाने के इस कार्य में ओएनजीसी व हुडको द्वारा सहयोग किया जा रहा है। जिलाधिकारी के इस महत्वाकांक्षी प्राजेक्ट में हुडको द्वारा स्कूलों

❑प्रोजेक्ट 'उत्कर्ष' अन्तर्गत ओएनजीसी व हुडको का मिला अभूतपूर्व सहयोग

में पठनपाठन व्यवस्था हेतु आधुनिक उपकरण एलईडी के लिए 2.5 के कार्य प्रोसेस में हैं, जबकि ओएनजीसी ने 1.5 करोड़ के फर्नीचर एवं उपकरण में सहयोग कर रही है। ओएनजीसी ने विकासखण्ड चकराता, कालसी स्थत सरकारी स्कूलों को वर्ष 2024-25 में फर्नीचर युक्त कर दिया है तथा वर्ष 2025-26 के लिए विकासखण्ड डोईवाला, रायपुर, विकासनगर व सहसपुर स्थित स्कूलों में फर्नीचर उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जिलाधिकारी ने जनपद देहरादून में स्कूलों में मूलभूत सुविधा सहित वाईट बोर्ड, प्रत्येक कक्ष में दो एलईडी लाईट, फर्नीचर, आउटडोर स्पोर्टस आदि समुचित व्यवस्थाएं करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है जिसके लिए 1 करोड़ की ध नराशि मुख्य शिक्षा अधिकारी निवर्तन पर रखी गई। जिसके तहत् सम्बन्धित खण्ड शिक्षा अधिकारियों को भी मांग के अनुरूप धनराशि आंवटित की गई है।

जिलाधिकारी की पहल पर प्रत्येक स्कूल में न्यूजपेपर, मैगजीन, शब्दकोश और महापुरुषों की जीवनियाँ अनिवार्य रखे जाने के निर्देश दिए ताकि बच्चे व्यवसायिक शिक्षा के साथ 2 महापुरूषों की जीवनी से परिचित हो सके। जिलाधि कारी ने स्कूलों की कक्षाओं में मूलभूत सुविधा, लाईट, पानी, पेयजल, शौचालय उपलब्ध हों पानी की टंकियों की मरम्मत सफाई एवं सुरक्षा हेतु इंतजाम के साथ ही गुणवत्तायुक्त पोष्टिक भोजन सुनिश्चित करने हेतु मुख्य शिक्षा अधिकारी एवं सम्बन्धित खण्ड एवं उप शिक्षा अधि कारियों को निर्देशित किया गया है।

दो वाहन चोर गिरफ्तार

●7 दुपहिया, मोबाइल व नगदी बरामद

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। वाहन चोरी मामलों का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से चुराये गये 7 दुपहिया वाहन, मोबाइल व नगदी बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीती 15 अप्रैल को रोहालकी किशनपुर निवासी अलग-अलग पीड़ितों की मोटरसाइकिल, मोबाईल फोन, पर्स (नगदी) व डीएल तथा 16 अप्रैल को बेगमपुर बहादराबाद निवासी व्यक्ति कि मोटरसाइकिल चोरी होने के सम्बंध में मिले प्रार्थना पत्रों पर थाना बहादराबाद पर मुकदमा दर्ज किया गया था।

लगातार हुई इन वारदातों का खुलासा करने के लिए जुटी पुलिस पड़ताल शुरू की तो एक सूचना के बाद पुलिस ने बीती शाम पथरी पावर हाउस के पास से 2 संदिग्धों को दबोच कर उनके पास से चुराया गया पर्स जिसके अन्दर 2800/-, ड्राईविंग लाईसेन्स, वीवो मोबाईल फोन व मोटर साईकिल बरामद की। पूछताछ में उन्होने अपना नाम आदित्य पुत्र सुनील व मोन्टी पुत्र मेहराज निवासी रोहाल्की थाना बहादराबाद जनपद हरिद्वार बताया।

बताया कि वह दोनो दोस्त है और आर्थिक तंगी के चलते छोटी-मोटी चोरी करने की योजना बनाकर बहादराबाद क्षेत्र व हरिद्वार क्षेत्र से मोटर साइकिलों व घर से सामान चोरी कर राहगिरों को बेच देते है। आरोपियों की निशांदेही पर पुराना पथरी पावर हाउस खण्डर से कुल 6 मोटर साईकिल बरामद की गई है।

राफ्ट पलटी, देहरादून के युवक की मौत

हमारे संवाददाता

टिहरी। गंगा की लहरों में राफ्टिंग को निकले दून निवासी एक युवक राफ्ट पलटने से बेहोश हो गया। जिसे अस्पताल पहुंचाया गया जहां चिकित्सकों द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार बीते रोज देहरादून निवासी सागर नेगी अपने दोस्तों के साथ राफ्टिंग के लिए शिवपुरी पहुंचा था। राफ्ट जैसे ही गरुड़ चट्टी पुल के पास पहुंची, संतुलन बिगड़ने से अचानक पलट गई। हादसे के बाद राफ्ट में सवार सभी लोग गंगा की लहरों में बहने लगे। राफ्ट गाइड ने साहसिक प्रयास कर एक-एक कर सबको बाहर निकाला, लेकिन तब तक सागर नेगी बेहोश हो चुका था। बेहोशी की हालत में सागर को तुरंत सड़क तक लाकर एंबुलेंस से ऋषिकेश सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रथम दृष्टि में मौत का कारण गंगा का पानी फेफड़ों में अधिक मात्रा में चले जाना माना जा रहा है, हालांकि सही कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो पाएगा। बहरहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

मेयर ने फागिंग मशीनों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

संवाददाता

देहरादून। महापौर सौरभ थपलियाल ने नगर निगम परिसर से फांगिग हेतु पांच टैंकरों व फांकिग मशीनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

आज यहां महापौर सौरभ थपलियाल द्वारा नगर निगम परिसर से डेंगू तथा अन्य संक्रमित रोगों के बचाव हेतु हरी झंडी दिखा कर फागिंग हेतु चार बड़े वाहन तथा लार्विसाइडल के छिड़काव हेतु पांच टैंकरों तथा 100 छोटी फॉकिंग मशीन प्रत्येक वार्ड में दवा छिड़काव हेतु प्रत्येक 100 वार्ड में पहुंचाने का कार्य किया गया तथा इसकी विधिवत्त शुरुआत की गई। इसी के अतिरिक्त छोटी मशीने सुपरवाइजरों को उपलब्ध कराई गई ताकि देहरादून नगर निगम

क्षेत्र में डेंगू मलेरिया पर नियंत्रण किया जा सके। इसके अतिरिक्त दिशा निर्देश जारी किए गए कि प्रत्येक सेनेटरी इंस्पेक्टर अपने-अपने सुपरवाइजर के साथ समन्वय बनाते हुए लार्वी साइकिल का छिड़काव नियमानुसार क्षेत्र में करवाएं तथा जहां-जहां आवश्यक हो वहां अतिरिक्त व्यवस्था बना ली जाए। यदि किसी के द्वारा जल भराव अथवा ऐसे स्थान जहां पर निर्माण हो रहा हो वहां पर खुले में पानी का स्टोर किया जा रहा हो तो उनको चेतावनी जारी करते हुए विधि संगत कार्रवाई की जाए।

कुख्यात बदमाश मुठभेड़ में हुआ घायल

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। उत्तर प्रदेश व उत्तराखण्ड सहित कई राज्यों में आपराधिक वारदातों को अंजाम देने वाला कुख्यात बदमाश पुलिस मुठभेड़ में गोली लगने से घायल हो गया। हालांकि मुठभेड़ के दौरान उसके अन्य साथी फरार होने में कामयाब रहे जिनकी तलाश जारी है। वहीं मुठभेड़ के दौरान बदमाशों की गोली से पुलिस ड्राइवर बाल-बाल बच गया।

जानकारी के अनुसार आज सुबह एक सूचना के बाद कोतवाली मंगलौर पुलिस द्वारा क्षेत्र में चैकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान पुलिस को नहर पटरी पर एक काले रंग की संदिग्ध कार (क्रेटा) बिना नंबर आती

हुई दिखायी दी। पुलिस ने जब उसे रोकने का प्रयास किया गया तो उक्त संदिग्ध वाहन के चालक ने गाड़ी को वापस मोडकर पुलिस पार्टी पर फायरिंग शुरू कर दी। जिस पर पुलिस ने जवाबी कार्रवाई शुरू की तो एक बदमाश के पैर में गोली लगी जबकि उसके अन्य साथी फरार होने में कामयाब रहे। बदमाशों द्वारा पुलिस व सरकारी गाड़ी पर किए गए फायर में ड्राइवर बाल-बाल बचा। गोली गाड़ी के शीशे को चीरते हुए निकली है।

प्रार्रभिक जानकारी में ज्ञात हुआ कि उक्त बदमाश का नाम विशाल उर्फ काकू निवासी मेघा शकरपुर थाना पुरकाजी मुजफ्फरनगर उ.प्र. है जिसके खिलाफ उत्तराखंड सहित उत्तर प्रदेश के कई थाना कोतवाली में मुकदमें दर्ज हैं। यह भी पता चला कि गिरफ्तार बदमाश की तलाश उत्तर प्रदेश सहित अनेक राज्यों की पुलिस कर रही थी। पुलिस ने उसके खिलाफ हत्या के प्रयास की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसके पास से तमंचा व कारतूस बरामद कर लिये है। वही आरोपी के अन्य फरार साथियों की तलाश जारी है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।